Day-1
History P-I

1

तराइन का प्रथम एवं द्वितीय युद्ध

1191 ई० में भटिण्डा के पास तराइन के मैदान में दोनों पक्षों के बीच युद्ध हुआ। मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज के भाई गोविन्दराय के दो दाँत उखाड़ दिये और गोविन्दराय ने मुहम्मद गोरी को भाले से घायल कर दिया। सौभाग्य से एक खिलजी सिपाही ने मुहम्मद गोरी की जान की रक्षा की। इस प्रकार प्रथम युद्ध में मुहम्मद गोरी बुरी तरह पराजित हुआ। पृथ्वीराज की सेना ने चालीस मील तक शत्रु सेना का पीछा किया और उन्हे काफी क्षति पहुँचाई। भटिण्डा के दुर्ग पर पृथ्वीराज को अधिकार करने में तेरह महिने का समय लगा।

तराइन का द्वितीय युद्ध →

तराइन के प्रथम युद्ध मे अपमान का बदला लेने के उद्देश्य से मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज के साथ संघर्ष करना प्रतिष्ठा का विषय बना लिया था। उसने युद्ध क्षेत्र से लौटे हुए सैनिकों एवं अधिकारियों को कठोर दण्ड दिया। उसने एक वर्ष तक युद्ध की पुरी तैयारी की और एक लाख बीस हजार अश्वारोहियों के साथ भारत की ओर प्रस्थान किया। इधर पृथ्वीराज तृतीय भी चुप बैठा नही था। वह अन्य राजपुत राजाओं से सहायता प्राप्त कर मुहम्मद गोरी का मुकाबला करने के लिए तैयार था। 1192 ई० मे

P.T.O

Scanned with CamScanner

तराइन के मैदान में घमासान युद्ध हुआ। मुहम्मद गोरी सुरक्षात्मक एवं आक्रमक नीति का सहारा लेकर युद्ध में विजय हुआ। राजपूतों की वीरता एवं साहस कोई काम न कर सका। गोविन्दराय और खांडेराव जैसे प्रसिद्ध सरदार युद्ध भूमि में ही स्वर्ग सिधारे। पृथ्वीराज हाथी को छोड़कर एक घोड़े पर सवार हुआ और युद्ध क्षेत्र से भागने के प्रयास में बन्दी बना लिया गया। पृथ्वीराज की हत्या करवा दी।